"कूपन भी, कौशल भी–सबकुछ OT में!"

कार्य कौशल प्रोत्साहन प्रक्रिया

कार्य कुशलता का आकलन कर योग्य वर्गीकरण करना व उसके अनुसार कार्य चुनाव कर शिक्षा प्रदान करना व प्रोत्साहन बना रहे उसके लिए रोजाना प्रोत्साहन राशि कूपन द्वारा दिया जाता है।

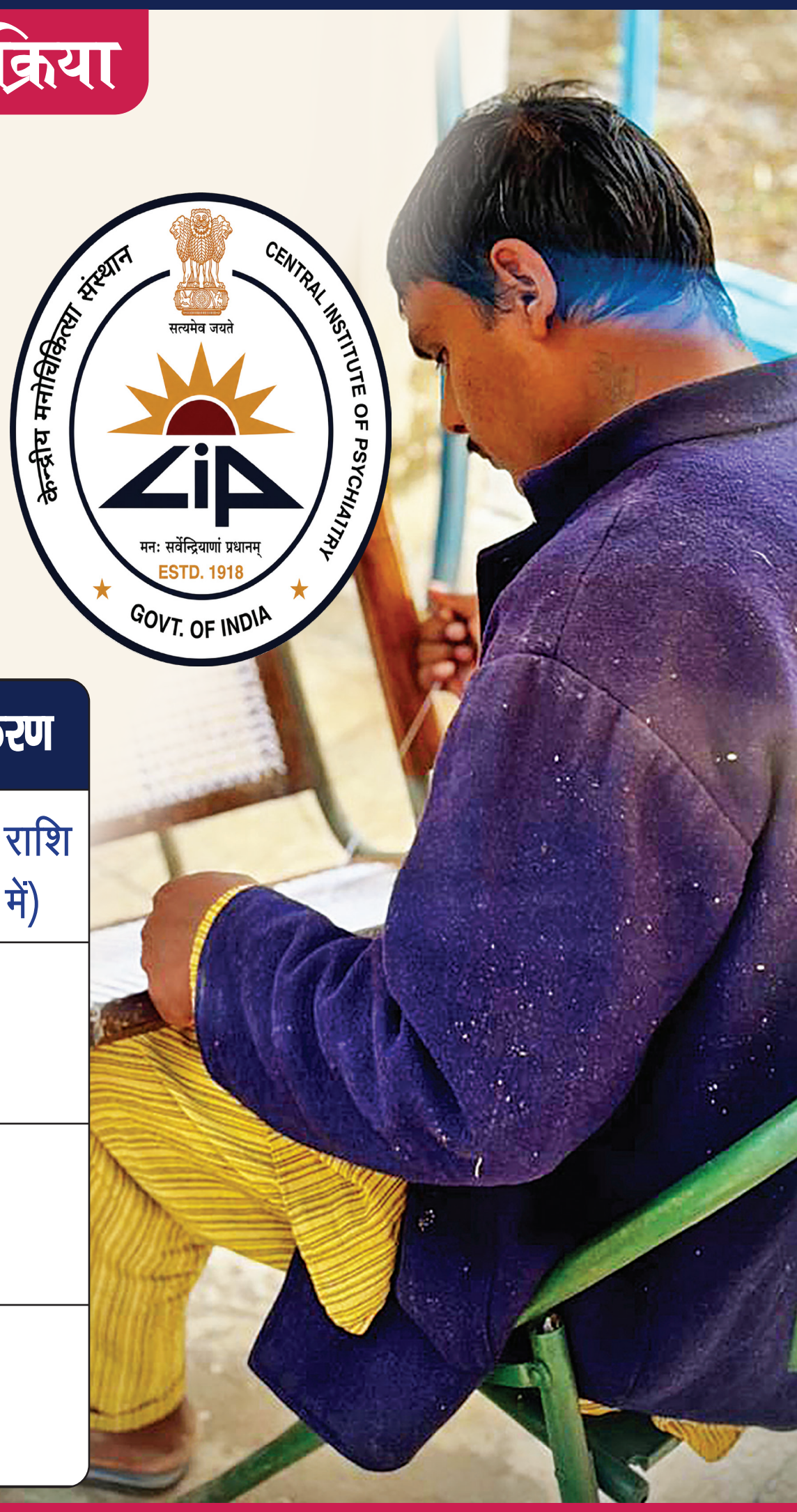

कार्य कुशलता के अनुसार योग्य वर्गीकरण

कौशल स्तर	दैनिक प्रोत्साहन राशि (कूपन के रूप में)
अकुशल (Unskilled)	₹5
अर्ध-कुशल (Semi-Skilled)	₹10
कुशल (Skilled)	₹20

प्राप्त कूपन को मरीज अपने जरूरत की वस्तुओं को खरीदने व पैसे में बदलकर नगद राशि घर ले जाने हेतु इस्तेमाल कर सकते हैं।

मनोचिकित्सीय सामाजिक कार्य विभाग, केंद्रीय मनोचिकित्सा संस्थान, राँची

"कूपन भी, कौशल भी–सबकुछ OT में!"

चित्रकला (PAINTING)

चित्रकला (पेंटिंग सेटिंग) में, व्यावसायिक चिकित्सा के अंतर्गत रोगी रंगों के चयन, ब्रश के उपयोग और विभिन्न माध्यमों पर अभिव्यक्ति के माध्यम से अपनी भावनाओं और विचारों को रचनात्मक रूप से व्यक्त करते हैं। यह प्रक्रिया भावनात्मक संतुलन, आत्म-अभिव्यक्ति और आत्म विश्वास को प्रोत्साहित करते हुए मानसिक एकाग्रता और सौंदर्यबोध के विकास में सहायक होती है।

स्वेटर बुनाई (महिला मरीज)

स्वेटर बुनाई (महिला मरीज) में, व्यावसायिक चिकित्सा के अंतर्गत रोगी ऊन, सिलाई एवं विभिन्न बुनाई तकनीकों के माध्यम से रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेते हैं। यह प्रक्रिया हाथों के समन्वय, धैर्य, एकाग्रता एवं आत्मनिर्भरता को विकसित करने में सहायक होती है। साथ ही, स्वेटर बुनाई आत्मविश्वास, मानसिक शांति और भावनात्मक संतुलन को प्रोत्साहित करते हुए रचनात्मक कौशल एवं कार्यक्षमता के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

दरी निर्माण (RUG CRAFT)

दरी निर्माण (रग क्राफ्ट सेटिंग) में, व्यावसायिक चिकित्सा के अंतर्गत रोगी धागों की बुनाई के माध्यम से दरी या कालीन तैयार करने की गतिविधियों में भाग लेते हैं। यह कार्य हाथों के समन्वय, धैर्य और रचनात्मक कौशल के विकास में सहायक होता है तथा पुनर्वास प्रक्रिया को सुदृढ़ करता है।

मोमबत्ती उत्पादन (महिला मरीज)

मोमबत्ती उत्पादन (महिला मरीज) में, व्यावसायिक चिकित्सा के अंतर्गत रोगी मोम, रंग, सुगंध एवं विभिन्न साँचे (मोल्ड) का उपयोग कर आकर्षक मोमबत्तियों का निर्माण करते हैं। यह प्रक्रिया रचनात्मकता, धैर्य, एकाग्रता तथा हाथों के समन्वय को विकसित करने में सहायक होती है। साथ ही, मोमबत्ती निर्माण रोगियों में आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता एवं कार्यकुशलता को बढ़ावा देता है।

मनोचिकित्सीय सामाजिक कार्य विभाग, केंद्रीय मनोचिकित्सा संस्थान, राँची

"कूपन भी, कौशल भी–सबकुछ OT में!"

सिलाई (TAILORING)

सिलाई-कढ़ाई (टेलरिंग सेटिंग) में, व्यावसायिक चिकित्सा के अंतर्गत रोगी कपड़े की माप लेना, कटिंग करना, सिलाई मशीन का संचालन और फिनिशिंग कार्य जैसी गतिविधियों में भाग लेते हैं। यह प्रक्रिया धैर्य, सटीकता और रचनात्मकता को बढ़ावा देते हुए व्यावसायिक कौशल विकास तथा आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करती है।

बढ़ईगिरी (CARPENTRY)

बढ़ईगिरी (कारपेंट्री) में, व्यावसायिक चिकित्सा के अंतर्गत रोगी माप-निर्धारण, फिटिंग और संरचना तैयार करने जैसी गतिविधियों के माध्यम से कार्य-कौशल और उपकरणों के सुरक्षित उपयोग का अभ्यास करते हैं। यह प्रक्रिया अनुशासन, समय-प्रबंधन और जिम्मेदारी की भावना को विकसित करते हुए व्यावसायिक दक्षता और पुनर्वास में सहायक होती है।

लोहार (BLACKSMITH)

लोहार कार्यशाला (ब्लैकस्मिथ सेटिंग) में, व्यावसायिक चिकित्सा के रोगी हाथ की ताकत, समन्वय और सहनशक्ति बढ़ाने के लिए धातु को पीटने, आकार देने और वेल्डिंग जैसी गतिविधियों में भाग ले सकते हैं। ये उद्देश्यपूर्ण गतिविधियाँ एक संरचित वातावरण में ध्यान, समस्या-समाधान और कार्यात्मक कार्य कौशल को भी बढ़ावा देती है।

कुर्सी निर्माण (CHAIR MAKING)

कुर्सी निर्माण में, व्यावसायिक चिकित्सा के रोगी हाथों की ताकत, सूक्ष्म एवं स्थूल समन्वय तथा सहनशक्ति को विकसित कर सकते हैं। ये उद्देश्यपूर्ण और रचनात्मक गतिविधियाँ एवं संरचित वातावरण में ध्यान, योजना-निर्माण, समस्या-समाधान क्षमता तथा दैनिक जीवन से संबंधित कार्यात्मक कौशल को भी प्रोत्साहित करती हैं।